जानिए अपना अधिकार

गीता धर्मराजन

चित्रांकनः सुजाता सिंह

यह किताब

....

की है।

dFkk d fo"k; e

कथा एक लाभ निरपेक्ष संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में हुई। शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में कथा का अनूठा योगदान है। कथा झुग्गी-झोपड़ी, बस्तियों और सरकारी स्कूलों में काम करती है ताकि हर बच्चा मज़े के लिए और अच्छी तरह पढ़ सके। महिलाओं और अध्यापिकाओं के द्वारा कथा बच्चों में उनकी प्रतिभा को उजागर करने में मदद करती है।

हमारी किताबें, वर्कशॉप और शिक्षण केन्द्र, कहानी के माध्यम से विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ती हैं। कथा का अनुवाद के क्षेत्र में किया हुआ काम भारतीय प्रकाषन के इतिहास में अनूठा माना जाता है। इसे *इकोनोमिक टाइम्स* ने इन शब्दों में सराहा है, "A unique and special moment in Indian publishing history ..."

कथा की पुस्तकों को विश्व स्तर पर ख्याति मिली है। अंतर्राष्ट्रीय ज्युरी द्वारा प्रतिष्ठित एस्ट्रिड लिंडग्रिन पुरस्कार के लिए भी कथा का नामाँकन किया गया है। बाल साहित्य के क्षेत्र में यह पुरस्कार विश्व में सबसे बड़ा माना जाता है।

कथा नवीन एवं अनुभवी लेखकों, अनुवादकों और चित्रकारों के साथ काम करती है।

क्या आपको बच्चों के लिए लिखना, चित्र बनाना, अनुवाद करना अच्छा लगता है? तो अपनी प्रतिलिपि इस ईमेल आई डी पर भेजें: editors@katha.org, और बनें कथा परिवार का हिस्सा।

"[Katha] ... an educational jewel in India's crown."
— **Naoyuki Shinohara, Deputy Managing Director, International Monetary Fund**

"Katha stands as an exemplar for all the creative projects around the world that grapple with ordinary and dramatic misery in cities." — **Charles Landry, The Art of City Making**

"Katha has a real soft corner for kids. Which is why it … create[s] such gorgeous picture books for children."
— **Time Out**

"Katha's work is driven by the idea that children can bring change to their communities that is sustainable and real, just as the children do in [their books]." — **Papertigers**

Copyright © KATHA

जानिए अपना अधिकार

गीता धर्मराजन

चित्रांकन: सुजाता सिंह

KATHA

Copyright © KATHA

बच्चों ! अपने इन अधिकारों को जानो,
पढ़ने-लिखने पर हक़ तुम अपना मानो!

Copyright © KATHA

Copyright © KATHA

चाहे उछ़लो चाहे नाचो, कलाबाज़ी या कूद लगाओ,
निर्णय है तुम्हारा, जीवन अपना तुम आप बनाओ।

Copyright © KATHA

Copyright © KATHA

प्यार-दुलार का हक़ तुम सबका
रहने को घर और रोटी-कपड़ा;

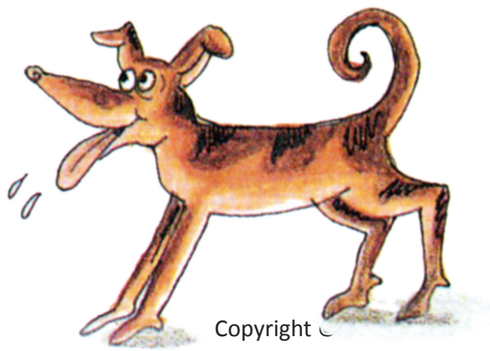

Copyright ©

बीमारी में दवा-सेवा का अधिकार,
और युद्ध व बाढ़ की पड़े जब मार।

Copyright © KATHA

अगर देखने-सुनने से हो तुम लाचार,
कर सकते हो बहुत कुछ,
हिम्मत न तुम देना हार।

Copyright © KATHA

अगर पैसे कमाने की तुम्हें है दरकार,
पढ़-सीखने का तब भी है तुम्हें अधिकार।
जाति और नाम में क्या है ख़ास?
एक से अधिकार जब तुम सबके पास।

Copyright © KATHA

इसलिए छोड़ दो डर, यह हया-शर्म,
आवाज़ को अपनी करो बुलन्द।

और माँगों अपने अधिकार सारे,
क्योंकि बच्चो ये है कुछ हक़, सिर्फ तुम्हारे!

Copyright © KATHA

xhrk /kejktu बच्चों के लिए कहानियाँ लिखना पसंद करती हैं। वह *टारगेट* पत्रिका और *पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय* की पत्रिका *पेन्सिलवेनिया गज़ेट* की संपादक भी रह चुकी हैं। साहित्य एवं शिक्षा में किए गए इनके अद्वितीय योगदान के लिए इन्हें सन् 2012 में राष्ट्रीय सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

ltkrk flg ने लंदन के *'विंबलडन स्कूल ऑफ आर्ट* और डिज़ाइन' से इलस्ट्रेशन करना सीखा है। उन्होंने डिज़ाइनर और इलस्ट्रेटर के रूप में कई प्रसिद्ध पत्रिकाओं के लिए काम किया है जैसे कि *टारगेट, इंडिया टुडे, बिजनेस टुडे, कास्मोपॉलिटन, टीन्स टुडे, नमस्ते, पेंगुइन बुक्स इंडिया, कथा, रत्ना सागर, और काली फॉर वीमेन*। इनके काम की कई प्रदर्शनियाँ भारत और विदेश में हुई हैं।

Copyright © KATHA

Copyright © KATHA

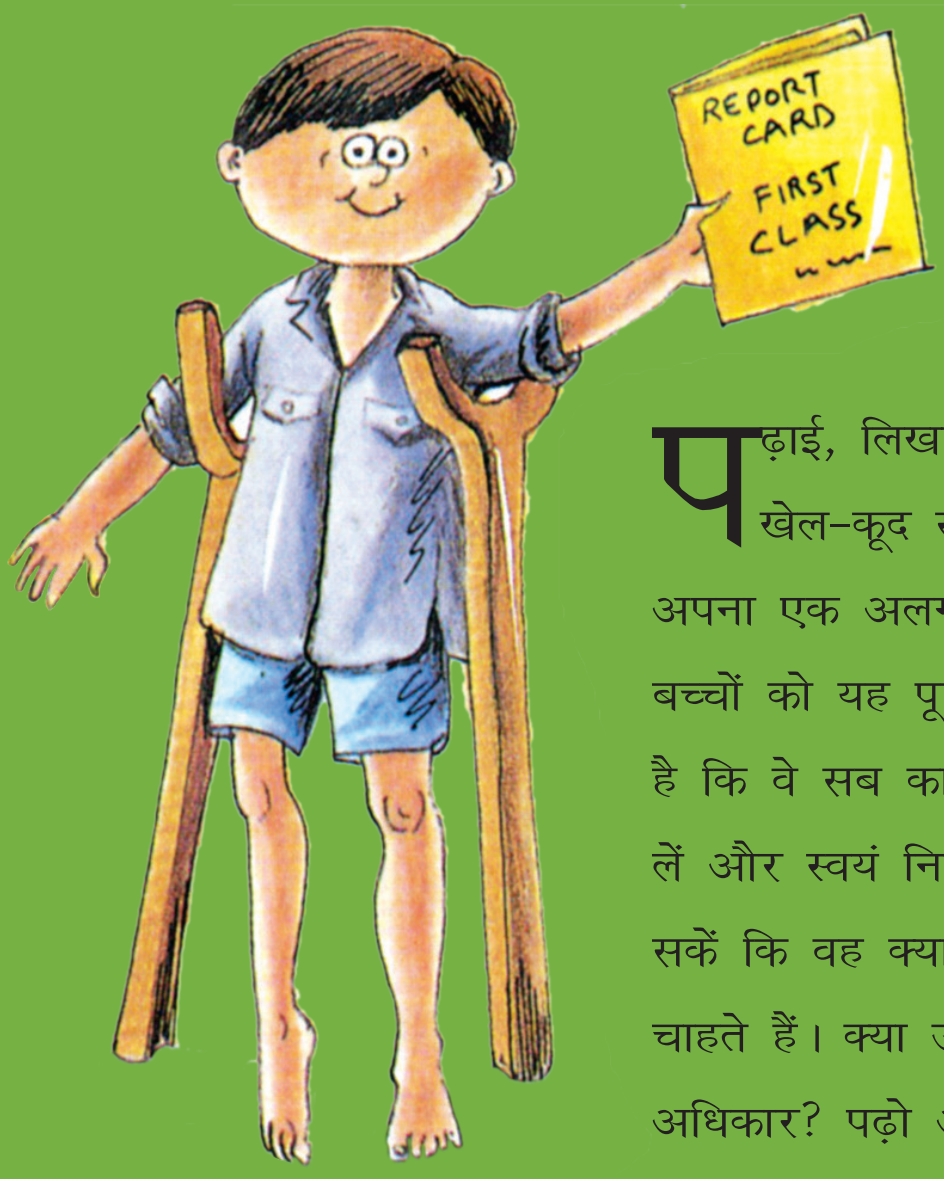

पढ़ाई, लिखाई,
खेल-कूद सबका है
अपना एक अलग स्थान।
बच्चों को यह पूरा अधिकार
है कि वे सब का अनुभव
लें और स्वयं निर्णय ले
सकें कि वह क्या करना
चाहते हैं। क्या उन्हें है यह
अधिकार? पढ़ो और जानो
अपने मन के सवालों को!